MERE KHWAJA FOUNDATION
WORK FOR HUMANITY

بسم الله الرحمن الرحيم

अज़ाने मग़रिब से क़ब्ल अंदरूनी गुम्बद शरीफ में फानूस को एहतराम से सर पर रख कर यह मनकबत पेश की जाती है

सय्यद ज़ादगन खादिम हज़रात एक कदीम ज़माने से ये अशआर बोहोत ही अदब और एहतराम के साथ पड़ते है

और तमाम ज़ायरीन के लिए आशिकीन के लिए तमाम मुरीदों के लिए दुआ होती है सय्यद ज़ादगन के ज़रिए

ख़्वाजए ख़्वाजगां मुइनुद्दीन — अशरफे औलिया-ए-रुऐ ज़मीं
आफताबे सेपहर कोनो मकाँ — बादशाहे सरीर मुल्के यकीं
दर जमालो कमाले ऊ-चे सुखन — इमू ब्ययन बुवद बहिसने हसीं
मतलए दर सिफ़ाते ऊ गुफ़्तम — दर इबारत बुवद चुदर्रे समी
ए दरत किब्ला गाहे एहले यकीं — बर दरत म्हरो माहे सुदा जबीं
रुए बर दर गहत हमीं सायंद — सद हज़ारां मुल्के चु खुसरो चीं
खादिमाने दरत हमां रिज़्वां — दर सफा रोज़ा अत चु खुलदे बरीं
ज़र-रए खाके ऊ अबीर सरिश्त — क़तरए आबे ऊ चूं माए मूई
इलाही ता बुवद ख़ुर्शीदो माही — चिरागे चिश्तियाँ रा रोशनाई

www.syedajmersharif.com